हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 156 देहरादून, शुक्रवार, 09 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

खेल सिखाता है अनुशाशन व टीम भावना : रेखा आर्या

3

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का हुआ भव्य नागरिक अभिनन्दन

राष्ट्रपति ने 2001.94 करोड़ रूपये की 09 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसम्बर । राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु का पहली बार उत्तराखण्ड आगमन पर मुख्यमंत्री आवास में नागरिक अभिनन्दन किया गया। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित गरिमापूर्ण कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने 2001.94 करोड़ रूपये की 09 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। राष्ट्रपति ने 528.35 करोड़ रूपये की 03 योजनाओं का लोकार्पण और 1473.59 करोड़ की 06 योजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।राष्ट्रपति द्वारा लोकार्पित की गयी योजनाओं में 330.64 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (मेडिकल कॉलेज) अल्मोड़ा, पिटकुल द्वारा हरिद्वार जनपद के पदार्था में 84 करोड़ रूपये की लागत से 132 के.वी. के आधुनिक तकनीक के बिजली घर एवं इससे संबंधित लाइन का निर्माण, जिला रूद्रप्रयाग में 113.71 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 4.5 मेगावाट की कालीगंगा-द्वितीय लघु जल विद्युत परियोजना शामिल हैं।

राष्ट्रपति द्वारा जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया उनमें 306 करोड़ रूपये की लागत से चीला पॉवर हाऊस 144 मेगावाट की योजना का रेनोवेशन कार्य, देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत 204.46 करोड़ की लागत से इंटीग्रेटेड ऑफिस कॉम्पलेक्स ग्रीन बिल्डिंग का निमार्ण, 131 करोड़ रूपये की लागत से हरिद्वार के मंगलोर में 220 के.वी. सबस्टेशन, 750 करोड़ रूपये की लागत से देहरादून के मुख्य मार्गों की ओवर हेड एचटी एवं एलटी विद्युत लाइनों को भूमिगत किये जाने का कार्य, 32.93 करोड़ रूपये की लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक नरेन्द्र नगर में दूसरे चरण का निर्माण कार्य और चंपावत के टनकपुर में 49.20 करोड़ रूपये की लागत से आधुनिक अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल का शिलान्यास शामिल है।इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में राष्ट्रपति उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भी परिचित हुई। राष्ट्रपति के समक्ष प्रदेश की लोक संस्कृति का लोक कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया गया।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपति को कंडाली के रेशों से बनी हुई शॉल भेंट की । इस शॉल पर उत्तराखण्ड की प्राचीन लोककला शैली थापे को उकेरा गया है। साथ ही राष्ट्रपति को उत्तराखंड की लोक कला शैली थापे और ऐपण के मिश्रण से तैयार स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि देव-भूमि, तपोभूमि और वीर-भूमि उत्तराखंड में आना, मैं अपना सौभाग्य मानती हूं। हिमालय को महाकवि कालिदास ने 'देवात्मा' कहा है। राष्ट्रपति के रूप में, हिमालय के आंगन, उत्तराखंड में, आप सब के अतिथि-सत्कार का उपहार प्राप्त करके, मैं स्वयं को कृतार्थ मानती हूं। राष्ट्रपति ने अभिनंदन-समारोह के उत्साह-पूर्ण आयोजन के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उत्तराखंडवासियों को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रपति ने विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से लोगों के लिए जन-सुविधाएं बढ़ेंगी। उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के सुव्यवस्थित मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के ऊर्जावान नेतृत्व में, उत्तराखण्ड समग्र विकास के पथ पर अग्रसर है। राज्य के विकास की इस यात्रा में उत्तराखंड के परिश्रमी और प्रतिभाशाली निवासियों का महत्वपूर्ण योगदान है।राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी परंपरा में नगाधिराज हिमालय के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को देवताओं का वंशज माना गया है। इस प्रकार उत्तराखंड के भाई-बहन एक दिव्य परंपरा के वाहक हैं। आप सबके बीच आकर मैं विशेष प्रसन्नता का अनुभव कर रही हूं। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता और यहां के लोगों के प्रेमपूर्ण व्यवहार ने स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी से लेकर प्रकृति के सुकुमार कवि, सुमित्रानंदन पंत को मंत्रमुग्ध किया था। इस प्राकृतिक सुंदरता को बचाते हुए ही विकास के मार्ग पर हमें आगे बढ़ना है।

- राष्ट्रपति ने सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (मेडिकल कॉलेज) अल्मोड़ा सहित 03 योजनाओं का किया गया लोकार्पण
- 1473.59 करोड़ की 06 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- राष्ट्रपति के समक्ष उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति हुई जीवंत

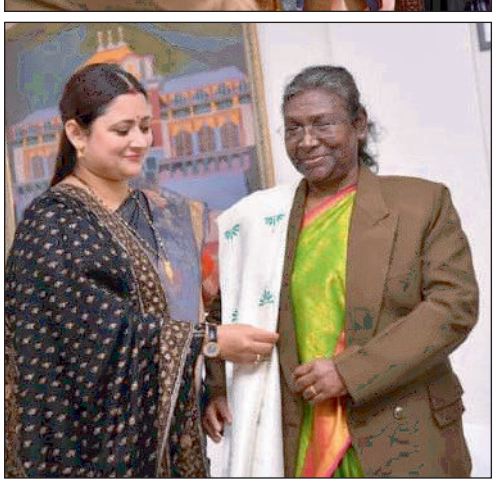

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के परिवार से मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात की। इस पारिवारिक भेंट में सीएम की पत्नी गीता धामी ने महामहिम को शॉल उढा कर स्वागत किया इस दौरान उनके दोनों पुत्र भी राष्ट्रपति से मिलते दिखाई दिए। इस दौरे की यादों को संजोने के लिए कुछ यादगार तस्वीरे भी ली गई।

देवभूमि में महामहिम

देहरादून , 9 दिसम्बर ,राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के उत्तराखंड आगमन पर जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को उत्तराखंड में अपने प्रथम दो दिवसीय प्रवास पर देहरादून पहुंची हैं। इस अवसर पर उपस्थित कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सौरभ बहुगुणा, मुख्य सचिव डॉ एस एस संधू, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, कमिश्नर गढ़वाल सुशील कुमार, जिलाधिकारी देहरादून तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी राष्ट्रपति का अभिवादन किया।

सर्दी के मौसम में कोविड संक्रमण से बचाव के 4 जरूरी टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लोगों के लिए मौसमी फ्लू और SARS-CoV-2 के ओमिक्रॉन वेरिएंट के संभावित नए प्रतिरक्षा तनाव से खुद को बचाना महत्वपूर्ण है। यहाँ कुछ युक्तियों का पालन किया गया है।

कोविड-19 महामारी खत्म नहीं हुई है और सर्दियों में विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि यह इन्फ्लुएंजा और कोविड सहित वायरल संक्रमण का मौसम है। महामारी के कम आक्रामक होने और गार्डों को छोड़ने वाले लोगों, वैज्ञानिकों और संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कोविड के लिए उपयुक्त उपाय जारी रहने चाहिए। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्येयियस ने कहाः ₹परीक्षण में अंतराल ... और टीकाकरण चिंता के एक नए प्रकार के उभरने के लिए एकदम सही स्थिति बना रहा है जो महत्वपूर्ण मृत्यु दर का कारण बन सकता है।₹ ओमिक्रॉन, कोविड का अत्यधिक संक्रामक संस्करण है, जिसमें 500 से अधिक उप-वंश हैं जो तेजी से विकसित हो रहे हैं। जब किसी में फ्लू जैसे लक्षण हों तो जांच करवाना और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से हाथ धोने की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए और कार्यालयों, रेस्तरां और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में अच्छा वेंटिलेशन रखना महत्वपूर्ण है।₹कोविड 19 एक वायरस है और हम सर्दियों के दौरान वायरल हो रहे हैं। लोगों के लिए मौसमी फ्लू और SARS-CoV-2 के ओमिक्रॉन संस्करण के संभावित नए प्रतिरक्षा तनाव से खुद को बचाना महत्वपूर्ण है। खुद को इससे सुरक्षित रखना आवश्यक है।₹ ठंड के मौसम में स्वस्थ रहें और पूरे मौसम में स्वस्थ रहें। हालांकि यह मुश्किल लगता है, आमतौर पर पीड़ित बीमारियों को अपने परिवार से दूर रखने के कई तरीके हैं,₹ इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, डॉ राजेश चावला कहते हैं।

कोविड को फैलने से रोकने के लिए बुनियादी नियमों का पालन करते हुए लोगों को घातक संक्रमण को दूर रखने के उपायों का पालन करना जारी रखना चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए।इस सर्दी के मौसम में कोविड संक्रमण से बचाव के लिए यहां 4 टिप्स दिए जा रहे हैं

- लक्षणों को जानेंः फ्लू और COVID-19 अलग-अलग वायरस के कारण होते हैं, लेकिन ये दोनों संक्रामक श्वसन रोग है, जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने, बोलने, गाने, सांस लेने आदि से बूंदों और एरोसोल द्वारा फैलते हैं। उनके समान लक्षण होते हैं, खांसी, बहती नाक, गले में खराश, बुखार, सिरदर्द और थकान सहित। लोगों में फ़्लू और COVID-19 दोनों से बीमारी के अलग-अलग स्तर हो सकते हैं। चूंकि लक्षण समान हैं, इसलिए परीक्षण करना महत्वपूर्ण है, ताकि जरूरत पड़ने पर उपचार जल्दी से शुरू हो सके।
- खांसी और छींक को ढकेंः अच्छी श्वसन स्वच्छता का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को मुड़ी हुई कोहनी या टिश्यू से ढकना जरूरी है।
- टीका लगवाएंः टीका लगवाना जरूरी है। बुजुर्ग और उच्च रक्तचाप, फेफड़े और हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा या कैंसर जैसी अंतर्निहित स्थितियों वाले लोगों को उन्हें टीका अवश्य लगवाना चाहिए। जितने अधिक पूर्ण रूप से टीकाकृत लोग होंगे, वे उतने ही बेहतर रूप से सुरक्षित भी होंगे।
- बाहर मिलें या वेंटिलेशन बढ़ाएँः COVID-19 सहित ये सभी वायरल संक्रमण भीड़-भाड़ वाले और खराब हवादार स्थानों में और जहां लोग एक साथ लंबे समय तक बिताते हैं, अधिक आसानी से प्रसारित होते हैं। प्रकोप के बढ़ते जोखिम वाली सेटिंग्स में रेस्तरां, कार्यालय और पूजा स्थल शामिल हैं। इसलिए, जब भी संभव हो, बाहर जाने की सलाह दी जाती है

सर्वे की मानें तो एक साथ खाना खाने वाले परिवारों में तनाव कम होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुराने और निरंतर तनाव के कारण आजीवन हृदय रोग और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है लेकिन एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि दूसरों के साथ नियमित भोजन करना तनाव को प्रबंधित करने में मदद करने का एक सरल उपाय हो सकता है।

नवंबर 2022 में राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किए गए84 प्रतिशत का कहना है कि वे चाहते हैं कि वे अपने प्रियजनों के साथ अधिक बार भोजन साझा कर सकें, और लगभग सभी माता-पिता रिपोर्ट करते हैं जब वे नियमित रूप से भोजन के लिए जुड़ते हैं तो उनके परिवार के बीच तनाव का स्तर कम होता है।दूसरों के साथ भोजन साझा करना तनाव कम करने, आत्मसम्मान बढ़ाने और विशेष रूप से बच्चों के लिए सामाजिक संबंध में सुधार करने का एक शानदार तरीका है पुरानी, निरंतर तनाव आपके जीवन भर में हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को भी बढ़ा सकती है, इसलिए लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे जितना जल्दी हो सके तनाव को कम करने और प्रबंधित करने के तरीके खोजें।दोस्तों, परिवार, सहकर्मियों और पड़ोसियों के साथ जुड़ने से लोगों को तनाव से राहत से परे लाभ होता है। वास्तव में, सर्वेक्षण में पाया गया कि 67 प्रतिशत लोगों का कहना है कि भोजन साझा करना उन्हें अन्य लोगों के साथ जुड़ने के महत्व की याद दिलाता है, और 54 प्रतिशत का कहना है कि यह उन्हें धीमा करने और ब्रेक लेने की याद दिलाता है।सर्वेक्षण में शामिल लोगों का कहना है कि वे अन्य लोगों के साथ भोजन करते समय स्वस्थ भोजन पसंद करने की अधिक संभावना रखते हैं, लेकिन सर्वेक्षण के अनुसार ऐसा करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के साथ कार्यक्रम को संरेखित करने में कठिनाई होती है। कुल मिलाकर, उत्तरदाताओं ने लगभग आधे समय अकेले खाने की सूचना दी। ₹हम जानते हैं कि भोजन के समय लोगों को एक साथ लाना हमेशा उतना आसान नहीं होता जितना लगता है। अन्य स्वस्थ आदतों की तरह, अपने आप को छोटे से शुरू करने और वहां से निर्माण करने की अनुमति दें। प्रत्येक सप्ताह एक और भोजन के लिए दोस्तों, परिवार या सहकर्मियों को इकट्ठा करने का लक्ष्य निर्धारित करें। यदि आप व्यक्तिगत रूप से एक साथ नहीं मिल सकते हैं, तो सोचें कि आप फोन या कंप्यूटर पर एक साथ भोजन कैसे साझा कर सकते हैं।

मेटा करने जा रहा है ए आई फेस स्कैनिंग का उपयोग, जाने क्यों

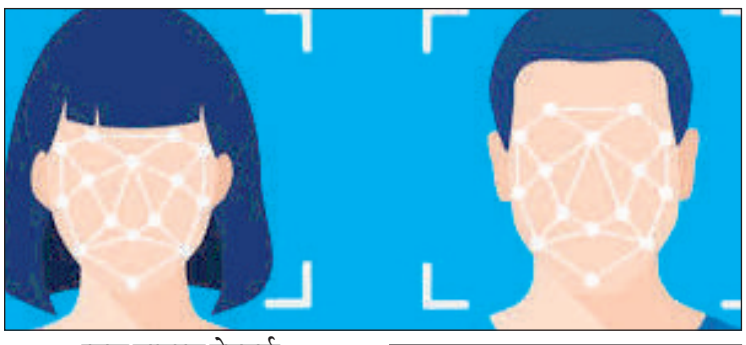

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी फेसबुक ए आई फेस स्कैनर का उपयोग करने जैसे तरीकों के साथ प्रयोग कर रही है, ताकि प्लेटफॉर्म की डेटिंग सेवा के उपयोगकर्ताओं को उनकी उम्र सत्यापित करने की अनुमति मिल सके।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने हाल ही में एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में घोषणा की कि यह फेसबुक डेटिंग पर उपयोगकर्ताओं को यह सत्यापित करने के लिए प्रेरित करना शुरू कर देगी कि वे 18 वर्ष से अधिक उम्र के हैं यदि मंच को संदेह है कि उपयोगकर्ता कम उम्र का है।उपयोगकर्ता तब एक सेल्फी वीडियो साझा करके अपनी आयु सत्यापित कर सकते हैं जिसे फेसबुक तीसरे पक्ष के व्यवसाय के साथ साझा करता है या अपनी आईडी की एक प्रति अपलोड कर सकता है। मेटा के अनुसार, कंपनी योती उपयोगकर्ता की पहचान किए बिना उसकी उम्र निर्धारित करने के लिए चेहरे के संकेतों का उपयोग करती है।मेटा का कहना है कि नई आयु सत्यापन प्रणाली बच्चों को वयस्कों के लिए बनाई गई सुविधाओं तक पहुंचने से रोकने में मदद करेगी।

जीएसएम एरिना की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा नहीं लगता कि वयस्कों के लिए फेसबुक डेटिंग पर अपनी उम्र सत्यापित करने की कोई आवश्यकता है। मेटा ने अन्य आयु सत्यापन उद्देश्यों के लिए Yoti का उपयोग किया है, जिसमें Instagram उपयोगकर्ताओं को वेटिंग करना शामिल है जो उन्हें 18 या उससे अधिक उम्र के बनाने के लिए अपनी जन्मतिथि बदलने का प्रयास करते हैं।हालांकि, द वर्ज के अनुसार, सिस्टम सभी लोगों के लिए समान रूप से सटीक नहीं हैः योती के डेटा से पता चलता है कि ₹महिला₹ चेहरे और गहरे रंग वाले लोगों के लिए इसकी सटीकता खराब है।

राज्य में वोकल फॉर लोकल को तेजी से बढ़ावा दिया जाए : मुख्यमंत्री

मत्स्य पालन के क्षेत्र में किसानों की आय में अच्छी वृद्धि : मंत्री सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसम्बर । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के सबंध में गठित राज्य स्तरीय मार्गदर्शक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, डॉ. धन सिंह रावत एवं सौरभ बहुगुणा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सहकारिताओं के सर्वांगीण विकास, ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना हेतु स्वीकृत धनराशि का बेहतर उपयोग हो, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य में वोकल फॉर लोकल को तेजी से बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय एवं डेयरी उत्पादों की ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों की मांग के सापेक्ष उनकी पूर्ण उपलब्धता हो, इस दिशा में प्रयास किये जाए। इसके अधीन संचालित योजनाओं के माध्यम से राज्य में अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार से जुड़ सकें, इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय योजनाओं का लाभ आम जन तक पहुंचे। इस संबंध में सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस क्षेत्र में जिन उत्पादों का उत्पादन अधिक हो सकता है, इसका आंकलन कर लोगों को ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित भी किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विभिन्न योजनाओं के लिए आम जन को ऋण आसानी से उपलब्ध हो। किसानों और पशुपालकों को ऐसे उत्पादों के प्रति जागरूक किया जाए, जिनके उत्पादन से वे अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बैठक हर 06 माह में आयोजित की जाए।

कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार से प्राप्त धनराशि से सहकारिताओं के विकास एवं कृषकों एवं पशुपालकों के हितों के लिए और तेजी से कार्य किये जाएं। जनता की मांग के अनुरूप हमें उत्पादों को बढ़ावा देना होगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि बंजर जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए पैक्स के माध्यम से ऐसी जमीन लीज पर लेकर कार्य किये जा रहे हैं। सहकारिता के माध्यम से हरे मक्के की खेती एवं साइलेज उत्पादन, बेमौसमी सब्जियों, मसालों एवं मोटे अनाजों के उत्पादन पर ध्यान दिया जा रहा है। इनके संग्रहण एवं एकत्रीकरण केन्द्रों की स्थापना भी की जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुर्गी पालन एवं मत्स्य पालन के क्षेत्र में किसानों की आय में अच्छी वृद्धि हो रही है। राज्य में गोट वैली की शुरुआत भी की गई है। देहरादून, उत्तरकाशी, हरिद्वार एवं टिहरी में दुग्ध उत्पाद सेवा केन्द्रों के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को अच्छा फायदा हो रहा है। राज्य में ट्राउट मछली का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा है, इसे मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पशुपालन क्षेत्र में राज्य में अनेक संभावनाएं हैं, लोगों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके, इसके लिए विभागीय स्तर पर समेकित प्रयासों की भी उन्होंने जरूरत बताई।

खेल सिखाता है अनुशाशन व टीम भावना : रेखा आर्या

खेल से बढ़कर नही है कोई व्यायाम : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- खेलों में भी हैं बेहतर भविष्य की संभावनाएं-रेखा आर्या
- हरिद्वार में खेल मंत्री रेखा आर्या ने किया जिला स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ

हरिद्वार , 8 दिसम्बर । आज प्रदेश की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल महाकुंभ-2022 का विधिवत शुभारंभ किया,इस दौरान बच्चो द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं।जहाँ खेल महाकुंभ में खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन किया, खेल मंत्री ने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को जोड़ने का प्रयत्न किया है, स्कूल का होम वर्क, आधुनिक जीवन शैली और स्मार्ट फोन पर बीत रहे बचपन में खेल कहीं गुम सा हो गया था, लेकिन खेल महाकुंभ कार्यक्रम की शुरुआत इसे फिर से पटरी पर लाने का प्रयास कर रही है।

कहा कि आज के दौर में खिलाडियों के लिए खेल का दायरा महज मनोरंजन और फिटनेस तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब इसमें खिलाड़ियों को सुनहरे करियर नजर आ रहे हैं जिसके लिए हम प्रयत्नशील हैं। खिलाड़ियों के लिए सरकार सरकारी नौकरियो में चार प्रतिशत छेतीज आरक्षण पर कार्य कर रही है जिससे हमारे खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का लाभ मिल सके।

साथ ही कहा कि खेल महाकुंभ की शुरुवात न्याय पंचायत स्तर से शुरू की गई थी जो कि अब ब्लॉक स्तर से होते हुए जिला स्तर पर आयोजित हो रही है जिसमें विभिन्न खेलों के प्रतिभागी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस छोटे से राज्य में करीब तीन लाख प्रतिभागी खिलाडी खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि खेल हमें तनावमुक्त रखने के साथ ही टीम भावना सिखाता है। खेलने से जहाँ तन मन स्वस्थ होता है तो वहीं तनाव भी दूर होता है। साथ ही खेल मंत्री रेखा आर्या ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन बढ़ाया और कहा कि जिस तरह उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से जाना जाता है हमारा प्रयास है कि भविष्य में इसे हम खेलों की भूमि के नाम से जाने।खिलाड़ियों को विश्वस्तर की सुविधाएं मिले इसको लेकर विभाग लगातार प्रयासरत है। हमारी सरकार ने 8 से 14 वर्ष के खिलाड़ियों के लिए मुख्यमंत्री खिलाडी उदीयमान उन्नीयन योजना शुरू की है जिसका लाभ खिलाड़ियों को अपनी खेल की बुनियादी जरूरते पूरा करने में मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेलों में खेल भावना से भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पहले जहां खेल महज एक मनोरंजन का साधन होता था वहीं आज खेलों के क्षेत्र में भी कैरियर की अपार संभावनाएं बनी रहती हैं। कामयाब खिलाड़ी देश का नाम रोशन करने के अलावा नौकरी के क्षेत्र में सक्रिय होकर अपने विभाग का नाम भी रोशन करता है। इस अवसर पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान , मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रतीक जैन जी, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रदीप कुमार , जिला युवा कल्याण अधिकारी मुकेश भट्ट ,जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा रीता चमोली , मंडल अध्यक्ष श्री विन्दर सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और प्यारे -प्यारे बच्चे एवं खिलाडी उपस्थित रहे।

15 दिसंबर से बदलेगा मौसम पड़ेगी कड़ाके की ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ठंड अब असर दिखाने लगी है। पर्वतीय क्षेत्रों में पारा एक डिग्री से नीचे पहुंच गया है। प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। आने वाले तीन दिनों में प्रदेश का न्यूनतम तापमान कहीं-कहीं एक डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान में भी दो से तीन डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। में कहीं-कहीं दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहने की संभावना है।

मैदानी क्षेत्रों में सुबह एवं शाम को कोहरा पड़ने और पहाड़ों में सुबह के समय पाला पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई है। मैदानी क्षेत्रों में सुबह के समय हल्की धुंध छाने लगेगी। पर्वतीय क्षेत्रों में दिन की धूप ठंड से राहत देगी।मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूरब व उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके चक्रवात में परिवर्तित होकर पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह से अगले तीन-चार दिन मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 9 से 11 दिसंबर के बीच उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग जगहों पर कोहरा छाने के साथ कुछ जगहों पर हल्की वर्षा व हिमपात हो सकता है। इसकी वजह से तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अल्मोड़ा व इसके आसपास के घाटी वाले क्षेत्रों में सुबह कोहरा छाया रहेगा। हल्के बादलों के बीच दिन भर धूप खिली रहेगी।

हरिद्वार में फर्जी रेप केस में महिला पर पॉक्सो का आरोप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार में फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 22 के तहत एक महिला के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया, जिसने 2021 में अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार का झूठा आरोप लगाया था।महिला ने मई 2021 में किराएदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह पिछले साल 6 फरवरी को उसकी बेटी को एक होटल में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। हालांकि, मुकदमे के दौरान, नाबालिग लड़की, उसके पिता और शिकायतकर्ता मां सहित सभी प्रमुख गवाह मुकर गए। इसलिए अदालत ने आरोपी को दोषी नहीं पाया और उसे बरी कर दिया।अतिरिक्त जिला सरकारी वकील (एडीजीसी) भूपेंद्र कुमा चौहान ने कहा कि मां की शिकायत पर आईपीसी की धारा 363, 376डी और 506 और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था क्योंकि लड़की नाबालिग थी. प्राथमिकी के अनुसार, पुलिस शिकायत दर्ज करने से लगभग चार महीने पहले बलात्कार किया गया था।महिला ने पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में कहा था कि उनका किरायेदार उसकी बेटी को पिरान कलियर से मिलने के बहाने पास के एक होटल में ले गया, उसके साथ बलात्कार किया और इस कृत्य का वीडियो भी बनाया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा, ₹आरोपी ने मेरी बेटी के साथ कई बार दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर उसने मुंह खोला तो वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दूंगा।₹हरिद्वार में फर्जी रेप केस में महिला पर पॉक्सो का आरोपहरिद्वार में फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 22 के तहत एक महिला के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया, जिसने 2021 में अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार का झूठा आरोप लगाया था। महिला ने मई 2021 में किराएदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह पिछले साल 6 फरवरी को उसकी बेटी को एक होटल में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। हालांकि, मुकदमे के दौरान, नाबालिग लड़की, उसके पिता और शिकायतकर्ता मां सहित सभी प्रमुख गवाह मुकर गए। इसलिए अदालत ने आरोपी को दोषी नहीं पाया और मंगलवार को उसे बरी कर दिया।अतिरिक्त जिला सरकारी वकील (एडीजीसी) भूपेंद्र कुमा चौहान ने कहा कि मां की शिकायत पर आईपीसी की धारा 363, 376डी और 506 और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था क्योंकि लड़की नाबालिग थी. प्राथमिकी के अनुसार, पुलिस शिकायत दर्ज करने से लगभग चार महीने पहले बलात्कार किया गया था।महिला ने पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में कहा था कि उनका किरायेदार उसकी बेटी को पिरान कलियर से मिलने के बहाने पास के एक होटल में ले गया, उसके साथ बलात्कार किया और इस कृत्य का वीडियो भी बनाया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा, ₹आरोपी ने मेरी बेटी के साथ कई बार दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर उसने मुंह खोला तो वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दूंगा।₹बचाव पक्ष के वकील ने तर्क दिया कि सभी गवाह शत्रुतापूर्ण हो गए और जिरह के दौरान उनके आरोप का समर्थन नहीं किया। वकील ने अपने मुवक्किल को बरी करने के लिए कहा क्योंकि अभियोजन पक्ष उसे दोषी साबित करने के लिए तथ्यों को स्थापित करने में विफल रहा।दलीलें सुनने और साक्ष्यों को देखने के बाद, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कुसुम शनि ने कहा कि अभियोजन पक्ष ₹यह स्थापित करने में विफल रहा कि लड़की का अपहरण और बलात्कार किया गया था; आरोपी संदेह का लाभ पाने का हकदार है और बरी होने का हकदार है।₹अदालत ने अभियोजन पक्ष को आदेश दिया कि वह पुलिस को पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 के तहत महिला के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए सूचित करे।

काली नदी पर सुरक्षा दीवार का निरीक्षण करने के लिए भारत, नेपाल संयुक्त पैनल का गठन करेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़, 8 दिसम्बर । भारतीय और नेपाली अधिकारी पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में काली नदी के किनारे सुरक्षा दीवार के निर्माण का निरीक्षण करने के लिए इंजीनियरों की एक संयुक्त समिति गठित करने पर सहमत हुए। पिथौरागढ़ जिले में रविवार को निर्माण स्थल पर नेपाली नागरिकों के एक समूह द्वारा किए गए पथराव में एक श्रमिक के घायल होने के चार दिन बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। पिथौरागढ़ की जिलाधिकारी रीना जोशी ने धारचूला में नेपाली अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा, ₹दोनों देशों ने धारचूला में निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के लिए इंजीनियरों की एक संयुक्त समिति गठित करने का फैसला किया। अगली बैठक 10 दिनों के बाद बुलाई जाएगी।₹ उन्होंने कहा, ₹हमने निर्माण स्थल पर नेपाल के कुछ उपद्रवियों द्वारा पथराव का मुद्दा भी उठाया। नेपाली कार्यालयों ने हमें उपद्रवियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

भारत जल्द ही गर्मी की लहरों का सामना करेगा जो मानव जीवित रहने की सीमा को तोड़ देगा: विश्व बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

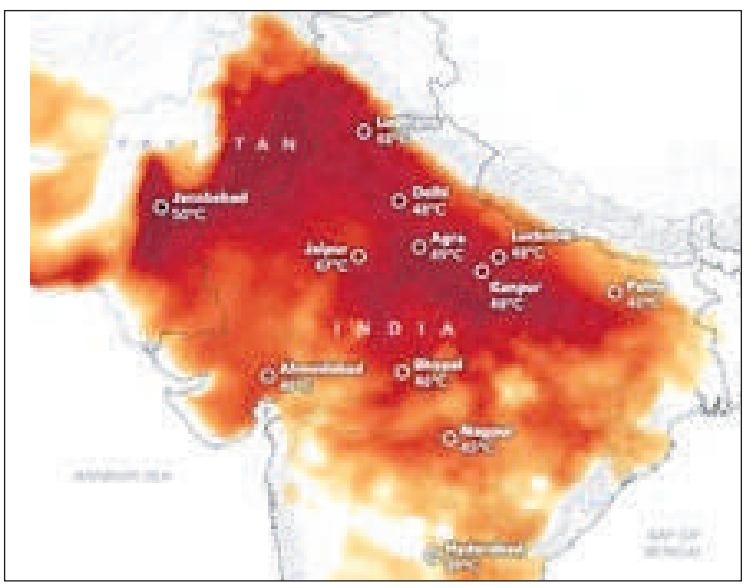

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में भारत के लिए एक अपशकुन चेतावनी है और यह केवल कयामत ढाती है, क्योंकि रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जल्द ही उन पहले देशों में से एक होगा जो गंभीर गर्मी की लहरों का अनुभव करेगा जो मानव जीवित रहने की सीमा को तोड़ देगा।

पिछले एक दशक में विश्व स्तर पर हीटवेव में वृद्धि हुई है और हजारों लोगों की जान लेना जारी है। ₹भारत के शीतलन क्षेत्र में जलवायु निवेश के अवसर₹ शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत उच्च तापमान का अनुभव कर रहा है जो पहले आता है और लंबे समय तक रहता है।विश्व बैंक द्वारा यहां केरल सरकार के साथ साझेदारी में आयोजित की जा रही दो दिवसीय ₹भारत जलवायु और विकास भागीदारों की बैठक₹ के दौरान रिपोर्ट जारी की जाएगी। ₹अप्रैल 2022 में, भारत एक शुरुआती वसंत गर्मी की लहर की चपेट में आ गया था, जिसने देश को एक ठहराव में ला दिया था, राजधानी नई दिल्ली में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस (C) से ऊपर था। मार्च का महीना, जो गवाह था तापमान में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, यह अब तक का सबसे गर्म रिकॉर्ड था।₹यह भविष्यवाणी करते हुए कि भारत में हीटवेव की स्थिति मानव जीवित रहने की सीमा को तोड़ सकती है,

पालक पनीर खाने वालों...सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पालक पनीर एक बहुत ही पसंदीदा सर्दियों का व्यंजन है जिसे लोग ठंड के मौसम में बहुत पसंद करते हैं। रात के खाने के विकल्प से लेकर पार्टी के भोजन तक, लोकप्रिय व्यंजन लगभग हर मेनू में जगह पाता है। इसे एक पौष्टिक भोजन भी माना जाता है क्योंकि पालक आयरन, पोटेशियम, प्रोटीन, फाइबर और कई अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। पनीर भी प्रोटीन, कैल्शियम का भंडार है और मधुमेह वाले लोगों के लिए अच्छा है। पालक और पनीर दोनों ही आपकी हड्डियों के स्वास्थ्य और समग्र प्रतिरक्षा में सुधार के लिए अच्छे हैं। हालाँकि, एक पोषण विशेषज्ञ के अनुसार, पालक और पनीर एक साथ एक दूसरे के लाभों की भरपाई कर सकते हैं और मूल रूप से एक साथ अच्छी तरह से नहीं चलते हैं।पालक और पनीर को एक साथ क्यों नहीं खाना चाहिए। आपको बता दे की कुछ खाद्य पदार्थ व्यक्तिगत रूप से स्वस्थ होते हैं, लेकिन जब एक साथ खाए जाते हैं तो वे दूसरे के पोषण लाभ को कम कर सकते हैं। पालक पनीर के मामले में, पालक का आयरन और पनीर का कैल्शियम वास्तव में एक दूसरे के पोषक तत्वों के अवशोषण में मदद नहीं करते हैं।

पालक और पनीर एक साथ क्यों नहीं खाते?

₹पालक पनीर से प्यार है? खैर, यह सही संयोजन नहीं है। वास्तव में स्वादिष्ट है, है ना। क्यों? क्योंकि कुछ संयोजन हैं जो एक साथ अच्छी तरह से नहीं चलते हैं। अब स्वस्थ खाने का मतलब सिर्फ सही खाद्य पदार्थ खाना नहीं है। इसका मतलब है सही संयोजन में सही खाद्य पदार्थ खाने के लिए। कुछ ऐसे संयोजन हैं जो एक साथ खाने पर एक दूसरे के पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकते हैं। ऐसा ही एक संयोजन है आयरन और कैल्शियम। पालक आयरन से भरपूर होता है और पनीर कैल्शियम से भरपूर होता है। जब ये दोनों खाने की चीजें एक साथ खाने से कैल्शियम आयरन के अवशोषण को रोकता है इसलिए आयरन के अधिक से अधिक उपयोग के लिए पालक आलू या पालक मकई का सेवन करें।

आयुर्वेद गलत फूड कॉम्बो के बारे में क्या कहता है

आयुर्वेद में विरुद्ध आहार की अवधारणा भी है जहां प्राचीन औषधीय अभ्यास केले और दूध जैसे कुछ अवयवों के संयोजन को प्रतिबंधित करता है क्योंकि उन्हें एक साथ रखने से विपाक नामक ऊर्जा निकल सकती है और कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। मछली और दूध, शहद और घी को समान मात्रा में मिलाकर, दही और पनीर को भी विरुद्ध आहार माना जाता है।

डीएम यूएस नगर युगल किशोर पंत ने जीवन में फोर्टिफिकेशन का महत्व बताया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर, 8 दिसम्बर । जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने रूद्रपुर में आयोजित फोर्टिफाईड राईस डेमोस्टेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होने कहा कि फोर्टिफिकेशन हमारे स्वास्थ्य लिए बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। उन्होने कहा कि आयरन, विटामिन जैसे बहुत सारे पोषक तत्व है जो हमारे शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। शरीर में किसी भी पोषक तत्वों की कमी हो तो हमें तत्काल डॉ0 के पास जाने की आवश्यकता पड़ जाती है। व्यक्ति बिमार हो जाते है, और शरीर को सुधारने में समय काफी समय भी लगता है। उन्होने कहा कि खाद्य पदार्थों में सभी जरूरी पोषक तत्वों को पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए भारत सरकार के द्वारा एफएसएसएआई के माध्यम से कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है, जिसमें सभी विभागों द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि 1 कुन्तल चावल की मात्रा में 1 किलो फोर्टिफिकेशन समावेश किया जा रहा है। जिससे कि अब घर-घर में जो चावल जायेगा उसमें पोषक तत्व समाहित होगें।

उन्होने कहा कि चावल कि साथ-साथ हमें दूध, दाल, तेल आदि में भी फोर्टिफिकेशन का उपयोग करना होगा। जिससे कि आने वाले दिनों में हम सबको प्रयास करना होगा कि हम सब बिमारियों की गोलियां न खाऐं बल्कि बिमारियां न हो इसके लिए हम सबको पौष्टिक आहार लेना होगा जिससे कि शरीर में जरूरी पोषक तत्व हो। और एक अच्छा जीवन जी के देश के विकास में अपना योगदान सकें। उन्होने कार्यक्रम में आये सभी से अपील की कि कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा बताये गये बातों को ध्यान से सुने और अधिक से अधिक सीखें ताकि अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को इसकी जानकारी दें सके। उन्होने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई संकोच या कोई प्रश्न हो तो उसे अवश्य पूछें और अपना संकोच दूर करें। जितना आप सिखेंगे उतना ही दूसरों को बेहतर बता पायेंगे। इस अवसर पर उपायुक्त खाद्य उत्तराखण्ड जेसी कण्डवाल, उपायुक्त खाद्य कुमांऊ अनूज थपलियाल, नोडल फूड फोर्टिफिकेशन विरेन सिंह बिष्ट, आरएस फूलेरियल, आरएफसी कुमाऊं बीएस चलाल, क्षेत्रीय प्रबन्ध एफसीआई रोहित कुमार, जिलापूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ललित मोहन पाण्डे, प्रदीप मैहर आदि उपस्थित थे।

नैनीताल हाई कोर्ट ने फेसबुक पर लगाया 50 हज़ार का जुर्माना

नैनीताल हाई कोर्ट ने फेसबुक के फर्जी आईडी के माध्यम से फोटो एडिट करके अश्लील वीडियो बनाकर ठगी करने के विरुद्ध दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ ने फेसबुक पर जवाब दाखिल नहीं करने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए 16 फरवरी तक जवाब प्रस्तुत करने का एक और मौका दिया। हरिद्वार निवासी आलोक कुमार ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि फेसबुक की फर्जी आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही है।

रिक्वेस्ट स्वीकृति ही फोटो एडिट करके अश्लील वीडियो बना दी जा रही है। बदले में पैसे की मांग की जा रही है। नहीं देने पर वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दी जा रही है। वह भी इसके शिकार हुए हैं, जिसकी शिकायत एसएसपी हरिद्वार, डीजीपी व गृह सचिव से की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस पर आरटीआई के माध्यम से पुलिस विभाग से पूछा कि अभी तक उत्तराखंड में इस तरह के कितने मामलों में प्राथमिकी हुई। विभाग की ओर से

बताया गया कि 45 पीड़ितों ने शिकायत की है। सभी मामले विचाराधीन हैं। इस पर उन्होंने जनहित याचिका में फेसबुक को अश्लील वीडियो अपलोड करने वालों की आईडी ब्लॉक करने के साथ ही ऐसा नंबर जारी करने की अपील की, जिस पर इस तरह के मामलों की शिकायत की जा सके।

कार खाई में गिरी, उड़े परखच्चे

उत्तराखंड में बागेश्वर के रमाड़ी हादसे में जान गंवाने वाले दरवान सिंह असम राइफल्स के सेवानिवृत्त सैनिक थे। उनका परिवार कई साल पहले ह्यूंडुंगरा से बिंदुखत्ता (नैनीताल) बस गया था। वह परिवार के साथ पूजा के लिए गांव आए थे। हादसे में दरवान सिंह और तीन अन्य लोगों की जान जाने से गांव और इलाके में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार, दरवान सिंह एक सप्ताह पहले परिजनों के साथ गांव आ गए थे। पिथौरागढ़ जिले के होकरा में स्थित मंदिर में परिवार ने सामूहिक पूजा की थी। दो दिन पहले पूजा संपन्न हो गई थी। दरवान सिंह गुरुवार की शाम शामा (कपकोट) लौट रहे थे। दरवान सिंह के साथ ह्यूंडुंगरा गांव की दो और भनार टिक्टा गांव की एक महिला रिश्तेदार और कनौली गांव की एक महिला, ह्यूंडुंगरा (द्वारिका) की एक बच्ची सवार थी। हादसे में दरवान सिंह के साथ ही तीन महिलाओं को जान से हाथ धोना पड़ा।

यह सब लोग आपस में रिश्तेदार थे। मृतक लाली देवी के पति खुशाल सिंह ठेकेदारी करते हैं। मृतक गोपुली देवी के पति गोपाल सिंह पूर्व में वाहन चालक थे। हादसे से ह्यूंडुंगरा गांव के साथ ही भनार टिक्टा गांव में शोक की लहर है।

2022 : भारत में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गई ये नौकरी, पढ़े..

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज गूगल के बिना लाइफ को इमेजिन करना मुश्किल है। सुबह से लेकर रात तक हम न जानें कितनी ही चीजें सर्च करते हैं। इसी सर्च के आधार पर Google ने हर साल लिस्ट जारी जारी करता है। वर्ष 2022 की सूची भी सामने आ गई है। इसके मुताबिक, सेक्शन में सबसे ज्यादा अग्निपथ स्कीम के बारे में खोजा गया है। इसके बाद, दूसरे नंबर पर NATO तीसरे नंबर पर NFT और चौथे नंबर पर PFI है। वहीं, पांचवें पर what is the Square root of 4 और छठवें नंबर पर सरोगेसी, सातवें नंबर पर सोलर eclipse को रखा गया है। इसके अलावा, आठवें नंबर पर आर्टिकल 370 रहा है। वहीं इसी कैटेगरी में दो अन्य स्कीम को रखा गया है।

इसके अलावा, सबसे ज्यादा खोजी गई व्यक्तित्वों की सूची की बात करें तो इसमें भाजपा नेता नूपुर शर्मा टॉप पर थीं। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। तीसरे नंबर पर ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक थे। वहीं चौथे नंबर पर ललित मोदी और पांचवें नंबर पर सुष्मिता सेन थीं। इसके अलावा, 6वें नंबर

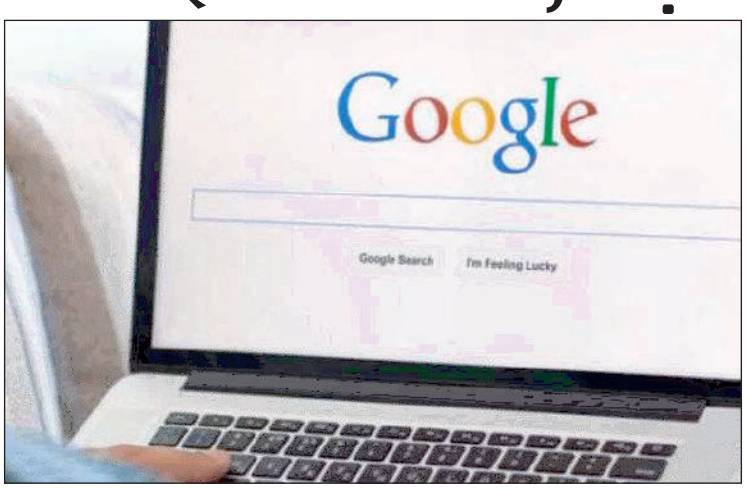

पर अंजलि अरोड़ा, 7वीं अब्दु रोज़िक रहा है। इसके अलावा, आठवें एकनाथ शिंदे, 9वें पर प्रवीण तांबे और 10वें नंबर पर Amber Heard रहें।

अग्निपथ योजना या अग्निपथ योजना 14 जून, 2022 को केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई थी। अग्निपथ योजना के पीछे का उद्देश्य भारत के युवाओं को सशस्त्र बलों में भाग लेने और भर्ती करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसके तहत, इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में भर्ती की जाएगी। यह नियुक्तियां 4 साल के लिए होंगी। चार साल के बाद 75 फीसदी सैनिकों को बाहर कर दिया जाएगा। वहीं, अन्य 25 फीसदी अग्नि वीरों को जो सेलेक्ट किए जाएंगे, उन्हें स्थायी नियुक्त किया जाएगा। हालांकि इस योजना का काफी विरोध किया गया था।

2022 में लोगों ने गूगल टॉप सर्च में क्या खोजा? ये है लिस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 8 दिसंबर, Google ने साल 2022 के लिए अपनी Google Year in Search 2022 लिस्ट जारी कर दी है। यानी कंपनी ने इस साल गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले विषयों की जानकारी दी है। गूगल ईयर इन सर्च 2022 आईपीएल के बारे में सबसे ज्यादा सर्च किया गया। उसके बाद लोगों ने सबसे ज्यादा कोरोना वैक्सीन को लेकर बनाई गई कोविन साइट को सर्च किया. भारत में भी लोगों ने फीफा वर्ल्ड कप और एशिया कप के बारे में काफी सर्च किया।

गूगल के WHAT IS सेक्शन में लोगों ने अग्निपथ योजना के बारे में ज्यादा सर्च किया जबकि NATO और NFTs को भी काफी सर्च किया गया। HOW TO सेक्शन की बात करें तो वैक्सीन सर्टिफिकेट कैसे डाउनलोड करें, इसके लिए लोगों ने गूगल पर खूब सर्च किया। पीटीआरसी को डाउनलोड करने का तरीका भी खूब सर्च किया गया।पनीर तखामा, मलाई कोफ्ता और पनीर भुर्जी रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीय व्यंजन थे। पोर्न स्टार मार्टिनी, पैन केक और

अनानास की रेसिपी भी खूब सर्च की जाती हैं। भारतीय हस्तियों की बात करें तो नुपुर शर्मा, अध्यक्ष द्रौपदी मूरमू और ऋषि सुनक को सबसे ज्यादा सर्च किया गया।

सर्च में ब्रह्मास्त्र सबसे ऊपर

मूवी कैटेगरी की बात करें तो ब्रह्मास्त्र पार्ट-1-शिव सबसे ज्यादा सर्च के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर है। जबकि केजीएफ चैप्टर-2 दूसरे और कश्मीर फाइल्स तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर फिल्म आरआरआर थी, जो साल की रिकॉर्ड कमाई करने वाली फिल्म थी, और पांचवें स्थान पर कांटारा थी।न्यूज इवेंट में कोकिल कांति लता मंगेशकर की मौत को सबसे ज्यादा खोजा गया। वहीं सिद्धू मूसेवाला की हत्या से जुड़ी खबरों को भी लोगों ने खूब सर्च किया. सूची में तीसरा रूस-यूक्रेन युद्ध था।

बांग्लादेश श्रृंखला के बाद भारत के कप्तान पर राहुल द्रविड़ का भारी बयान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की है कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के आगामी तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) में नहीं खेलेंगे। भारत के कप्तान और वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित को ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में गंभीर चोट लग गई।

ढाका में मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए, भारत के मुख्य कोच द्रविड़ ने स्वीकार किया कि बांग्लादेश दौरे के दौरान विराट कोहली-अभिनीत टीम कुछ चोटों से जूझ रही है। पूर्व भारतीय कप्तान और वर्तमान मुख्य कोच ने खुलासा किया है कि भारत को तीसरे वनडे में रोहित और दीपक चाहर की कमी खलेगी। भारतीय मुख्य कोच ने भी पुष्टि की है कि कुलदीप सेन बांग्लादेश श्रृंखला के शेष भाग से बाहर हो गए हैं।"हम कुछ चोटों से भी जूझ रहे हैं जो आदर्श नहीं है और हमारे लिए आसान नहीं है। मुझे लगता है कि दीपक (चाहर) और रोहित (शर्मा) अगला मैच जरूर मिस करेंगे। कुलदीप भी सीरीज से बाहर हो गए हैं। रोहित बंबई वापस उड़ेंगे, एक विशेषज्ञ से सलाह लेंगे कि यह कैसा है, और पुष्टि करें कि वह टेस्ट श्रृंखला के लिए वापस आ सकते हैं या नहीं। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी लेकिन वह अगले मैच से निश्चित रूप से बाहर हो जाएंगे।'द्रविड़ की यह टिप्पणी भारतीय कप्तान रोहित द्वारा बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के निर्णायक मुकाबले में शानदार पारी खेलने के बाद आई है। अंगूठे की चोट को बरकरार रखने के बावजूद, भारतीय कप्तान रोहित भारत के लिए बल्लेबाजी करने के लिए उतरे और दूसरे वनडे में अर्धशतक जड़ा। चोटिल कप्तान ने चोट के बावजूद बल्लेबाजी की और 28 गेंदों में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। हालाँकि, रोहित की शानदार पारी बेकार चली गई क्योंकि बांग्लादेश ने अंतिम ओवर के रोमांचक मुकाबले में भारत को 5 रनों से हरा दिया। रोहित के बिना टीम इंडिया शनिवार को तीसरे वनडे में बांग्लादेश से चटोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में भिड़ेगी। भारत को अपने मौजूदा दौरे में मेजबान बांग्लादेश के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है।

एसएफए चैंपियनशिप उत्तराखंड : महाना प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज ने एथलेटिक्स में 8 पदकों के साथ पहले दिन का दबदबा बनाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः टीनू मौर्या, ओशिन पंवार और दो अन्य खिलाड़ियों ने बुधवार को देहरादून में स्पोर्ट्स फॉर ऑल (एसएफए) चैंपियनशिप उत्तराखंड 2022 के उद्घाटन के दिन महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के दबदबे का नेतृत्व करते हुए स्वर्ण पदक जीते।उत्तराखंड में जमीनी स्तर पर खेलों में क्रांति लाने के उद्देश्य से, भारत का अग्रणी पूरी तरह से एकीकृत डिजिटल प्लस ऑन-ग्राउंड मल्टी-स्पोर्ट प्लेटफॉर्म, स्पोर्ट्स फॉर ऑल देहरादून में 7 से 13 दिसंबर तक इस ओलंपिक-शैली के आयोजन के दूसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है, जिसमें 13 खेल शामिल हैं। SFA चैंपियनशिप की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पांच अलग-अलग स्थानों पर खेला जा रहा है।

इस आयोजन में लगभग 3 लाख रुपये का कुल पुरस्कार पूल भी है, क्योंकि देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल और राज्य के अन्य शहरों के 418 स्कूलों से 9,000 नवोदित खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

अंडर-12 लड़कों की लंबी कूद में टीनू ने 4.07 मीटर की दूरी दर्ज कर स्वर्ण पदक जीता। उनके सहपाठी समर्थ कुमार ने 3.61 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता जबकि हैप्पी होम मॉन्टेसरी स्कूल के आकाश नेगी ने कांस्य पदक (3.45 मीटर) हासिल किया।अंडर-6 गर्ल्स 50 मीटर में ओशिन 11.507 सेकंड के समय के साथ पहले स्थान पर रहीं, जबकि टच वुड स्कूल की दित्या गोस्वामी (12.843 सेकंड) और आर्केडिया स्कूल की प्रकृति कृष्णन (13.866 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के दो अन्य स्वर्ण पदक विजेता मयंक राठौर और अभिजीत सिंह थे। मयंक ने लड़कों की अंडर-18 3000 मीटर में 10.25:462 मिनट के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अभिजीत ने लड़कों की अंडर-14 शॉट पुट में दूसरे प्रयास में 8.5 मीटर की दूरी तय करके जीत हासिल की।समर्थ कुमार (अंडर-12 लड़के लंबी कूद), अंकुर पाल (लड़के अंडर-18 3000 मीटर), अनमोल पांडे (लड़के अंडर-16 शॉट पुट), फैजान इखलाक (लड़के अंडर-14 शॉट पुट) ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए रजत पदक जीते .दिन का एक अन्य आकर्षण अंडर-12 लड़कियों की लंबी छलांग थी, जिसमें तेजस्विनी गुप्ता ने 3.22 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि हिम ज्योति स्कूल की शैलजा (3.03 मीटर) और अगापे मिशन स्कूल (3.01 मीटर) की प्रियांशी कठैत ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। .अंडर-16 लड़कों के शॉट पुट में अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के राहुल ने 10.89 मीटर का थ्रो फेंककर खिताब जीता। इस बीच, दून प्रेसीडेंसी स्कूल के आयुष थापा ने अंडर-18 लड़कों के शॉट पुट में अंतिम प्रयास में 9.84 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ब्राइट एंजल्स स्कूल के बिलाल कुरैशी (9.80 मीटर) ने रजत पदक जीता।हिम ज्योति स्कूल की करीना भागरी और प्रजा बरशा ने लड़कियों के अंडर-14 और अंडर-16 में क्रमशः लंबी कूद में स्वर्ण जीता।एसएफए, जो ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशिया खेलों के लिए भारतीय टीम का आधिकारिक भागीदार है, कोच रिवार्ड प्रोग्राम के साथ कोचों को भी सशक्त करेगा, जिसकी कीमत 12 लाख रुपये है।इसके 10 संस्करणों के दौरान अब तक चैंपियनशिप मुंबई और हैदराबाद में भी आयोजित की जा चुकी है, जिसमें 3000 से अधिक स्कूलों के 1,50,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया है।

स्काई एयर मोबिलिटी के साथ रेडक्लिफ लैब्स ने शुरू की उत्तरकाशी से देहरादून के लिए ड्रोन उड़ाने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रेडक्लिफ लैब्स, भारत की डायग्नोस्टिक्स सेवा प्रदाता और ड्रोन डिलीवरी लॉजिस्टिक्स कंपनी, स्काई एयर मोबिलिटी ने 6 दिसंबर को दूरस्थ पहाड़ियों, उत्तरकाशी से सहस्त्रधारा, देहरादून के लिए लंबी अवधि की ड्रोन पायलट उड़ानें शुरू की हैं। रेडक्लिफ परीक्षण के नमूने उत्तरकाशी में उनके संग्रह केंद्र से ड्रोन डिलीवरी के माध्यम से केवल 90 मिनट में देहरादून रेडक्लिफ लैब्स को भेजे जाते हैं।स्थानों तक खराब पहुंच जैसी चुनौतियों को खत्म करने के लिए ड्रोन की महत्वपूर्ण और बढ़ती भूमिका है। कंपनी ने बयान में कहा, उत्तरकाशी स्काई हब से देहरादून स्काई हब तक ड्रोन पायलट उड़ानें डिलीवरी के समय को कम कर देंगी, जिसमें सड़क मार्ग से 6-8 घंटे और भूस्खलन के दौरान 12 घंटे लगते हैं।उत्तराखंड में ड्रोन पायलट उड़ानें शुरू करने पर टिप्पणी करते हुए, रेडक्लिफ लैब्स के संस्थापक, धीरज जैन ने कहा, ₹उत्तरकाशी के पहाड़ी इलाके को देखते हुए, इस क्षेत्र में सीमित कनेक्टिविटी है जो उच्च गुणवत्ता वाली नैदानिक सेवाओं की पहुंच में बाधा के रूप में कार्य करती है। इस मोर्चे पर, हमारे उत्तरकाशी स्काई हब से देहरादून स्काई हब तक ड्रोन पायलट उड़ान शुरू करने का लक्ष्य राज्य के हर हिस्से को उच्च गुणवत्ता वाले डायग्नोस्टिक सेंटर से प्रभावी ढंग से जोड़ना है।₹रसद का वर्तमान स्वरूप ऐसे भौगोलिक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा उद्योग के लिए काम नहीं करता है। आवश्यकता एक समाधान की है जो एक तेज, टिकाऊ और मापनीय आपूर्ति प्रदान कर रहा है; ड्रोन ठीक ही लिफ्टिंग डिलीवरी, स्काई एयर वे में फिट होते हैं। " स्काई एयर मोबिलिटी के सीईओ श्री अंकित कुमार ने कहा।

संपादकीय

डरें नहीं, अच्छा है आइटी सेक्टर का भविष्य

हाल के दिनों में बड़ी वैश्विक तकनीकी कंपनियों में व्यापक पैमाने पर हो रही छंटनी से चिंता पैदा होना स्वाभाविक है. हमें इस स्थिति की पृष्ठभूमि को देखना चाहिए. हम अभी जो होता हुआ देख रहे हैं, कमोबेश यही हालत कोविड महामारी से पहले के दौर में थी. जब महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया, तब अन्य क्षेत्रों की तरह तकनीकी क्षेत्र में भी मांग व आपूर्ति का अनुपात घटा और यह लगभग 20 प्रतिशत के स्तर पर आ गया. जब महामारी की रोकथाम से संबंधित पाबंदियों में ढील देने का सिलसिला शुरू हुआ तथा आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने लगी, तो 2021 के अंतिम कुछ महीनों तथा इस साल के शुरू में मांग में भी बढ़ोतरी आयी. इसी के साथ मांग का हिसाब 80-90 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया. इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि यूरोप और अमेरिका समेत कई देशों में अपनी अर्थव्यवस्था और व्यापार प्रक्रिया के डिजिटलीकरण की होड़ लग गयी ताकि भविष्य में ऐसी किसी महामारी की स्थिति में कारोबार पर असर न हो या कम हो. इसे ऐसे समझने की जरूरत है कि मांग को जो स्तर महामारी से पहले 50 प्रतिशत था, वह कोरोना काल में 20 प्रतिशत हुआ और फिर उसमें बड़ी उछाल आयी तथा वह लगभग 90 फीसदी के आसपास जा पहुंचा. आज हम फिर से मांग को 50 प्रतिशत के आसपास आता हुआ देख रहे हैं. भारतीय टेक कंपनियों में जो छंटनी या भर्ती प्रक्रिया धीमी होने की स्थिति हम आज देख रहे हैं, उसका कारण भविष्य के आकलन का गलत साबित होना है. कंपनियों को ऐसा लगा कि कोरोना काल के तुरंत बाद जो मांग में तेज वृद्धि हुई है, वह लंबे समय तक बरकरार रहेगी. ऐसे में नये कर्मियों की भर्ती भी तेज हुई और बड़ी कंपनियों ने अपने यहां कार्यरत लोगों को रोकने के लिए उनके वेतन-भत्ते में मुंहमांगी बढ़ोतरी भी की. आकलनों के अनुसार टेक बाजार में कई साल तक बढ़त होनी थी. ऐसे में कंपनियों ने कॉलेजों से नयी प्रतिभाओं को भी बड़ी संख्या में नौकरियां दीं ताकि वे दौड़ में बने रहें और उनके पास लोगों की कमी न रहे. इस मामले में यह भी हुआ कि बहुत से छात्रों ने कंपनियों से ऑफर लेटर तो हासिल किया, लेकिन नौकरी ज्वाइन करने की तारीख नहीं ली. उसके बाद रूस और यूक्रेन के युद्ध का असर अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्था पर जब पड़ना शुरू हुआ, तो अमेरिकी टेक कंपनियों, जैसे- गूगल, आमेजन, फेसबुक-मेटा आदि, को छंटनी करने पर मजबूर होना पड़ा. उसका असर अन्य देशों में उनके कारोबार और कार्यालयों पर भी हुआ. यहां हम ट्विटर में हुई छंटनी का उल्लेख नहीं करेंगे क्योंकि वहां ऐसे कंपनी के प्रबंधन बदलने के कारण हुआ है तथा एक तरह से यह अपेक्षित भी था. अपने देश की कुछ कंपनियों में छंटनी हो रही है, वह इसलिए है कि बढ़त और अनुमान को देखकर उन्होंने अंधाधुंध भर्तियां की तथा अब जब मांग में एक स्थिरता आ रही है, तो उन्हें लोगों को हटाना पड़ रहा है. लेकिन भारत में तकनीकी क्षेत्र में अभी ऐसी स्थिति कतई नहीं आयी है कि लोगों को नौकरियां नहीं मिलेंगी. अभी भी भर्ती हो रही है, मांग कम होने से उनकी रफ्तार कम है तथा पहले जिस तरह से वेतन आदि तय हो रहे थे, वैसा नहीं हो रहा है. मुझे ऐसा लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य वैश्विक आर्थिक कारणों का असर कुछ समय तक रहेगा. एक-दो तिमाहियों के बाद हम फिर एक बार तकनीकी बाजार में उछाल देखेंगे और मांग में बढ़ोतरी होगी. हाल में आइटी सेक्टर की कंपनियों ने जो अपनी तिमाही या छमाही कारोबारी रिपोर्ट दी है, उसमें उन्होंने बताया है कि उनके पास भविष्य के लिए ठोस रणनीति है. ऐसे में हमें कारोबार कम होता हुआ नहीं दिख रहा है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि कुछ महीनों बाद स्थिति सामान्य हो जायेगी. जहां तक अमेरिका स्थित आइटी कंपनियों की बात है, तो जैसा हमने पहले कहा कि युद्ध और अन्य कारकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था दबाव में है. यही स्थिति यूरोप में भी है. कई और देशों में भी अनिश्चितता की स्थिति है. उन कंपनियों में अच्छी संख्या में भारतीय या भारतीय मूल के लोग कार्यरत है. वे कामकाजी वीजा पर वहां गये हैं. नियमों के अनुसार, अगर इन्हें छह माह के भीतर नौकरी नहीं मिलती है, तो उन्हें वापस आना पड़ेगा. यह चिंता की बात है, पर हम इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते है. अगर अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की सरकारें इस संबंध में सहानुभूति के साथ व्यवहार करती हैं, तो वह स्वागतयोग्य होगा. जो छात्र हमारे देश में आइटी शिक्षा ले रहे हैं, उन्हें यह समझना होगा कि भारत में हजारों कंपनियां हैं.

श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बने ब्रिगेडियर (से.नि.) डॉ प्रेरक मित्तल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसम्बर । उत्तराखंड ही नहीं कई राज्यों के लिए लाइफ लाइन मानी जाने वाली स्वास्थ्य सेक्टर की सबसे बड़ी संस्था महंत इंद्रेश की ज़िम्मेदारी अब देश के जानेमाने पूर्व आर्मी अफसर ब्रिगेडियर (से.नि.) डॉ प्रेरक मित्तल के हांथों में आ गयी है। जी हाँ देहरादून में स्थापित श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के रूप में उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण करते हुए प्रदेश की जनता को बेहतर सर्विसेस का भरोसा दिया है। आपको बता दें कि ब्रिगेडियर (सेनि.) डॉ प्रेरक मित्तल ने भारतीय सशस्त्र सेना की मेडिकल कोर में 34 वर्ष का लम्बा योगदान दिया है।

वह भारतीय सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा में ओ.आई.सी परीक्षा के प्रभारी, निदेशक योजना एवम् प्रशिक्षण, मेडिकल जर्नल के सम्पादक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे अनुभवी ऑफिसर को श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के डॉक्टरों, फेकल्टी, नर्सिंग स्टाफ व सहायक स्टाफ ने उनके द्वारा कार्यभार सम्भालने पर हार्दिक बधाई एवम् शुभकामनाएं दीं गईं।आपको यहाँ ये भी बता दें कि डॉ प्रेरक मित्तल का क्या इतिहास है और उन्हें ही महंत इंद्रेश अस्पताल का ज़िम्मा क्यों दिया गया है। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा एसजीआरआर पब्लिक स्कूल, तालाब शाखा, देहरादून व हाई स्कूल शिक्षा एसजीआरआर पब्लिक स्कूल, भंडारी बाग शाखा, देहरादून से पूरी की। उन्होंने सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय, (ए.एफ.एम.सी.) पूना से एम.बी.बी.एस. और अस्पताल प्रशासन में एम.डी. किया।

डॉ मित्तल का उत्तराखण्ड से अटूट लगाव रहा है, वह गढ़वाल स्काउट के डॉक्टर भी रह चुके हैं। भारतीय सशस्त्र सेना में डॉ प्रेरक मित्तल की पहचान कुशल प्रशासक के रूप में रही है। उन्होने सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय (ए.एफ.एम.सी.) के प्रशिक्षण अधिकारी के अलावा कई महत्वपूर्ण पदों को भी सुशोभित किया और वह अस्पताल प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत हुए।श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कार्यभार संभालते हुए डॉ प्रेरक मित्तल ने श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के चेयरमैन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पताल प्रबन्धन की ओर से जो भी दायित्व उन्हें सौंपे गए हैं, वह उन्हें पूर्ण कर अस्पताल प्रबन्धन की हर कसौटी पर खरा उतरने के लिए कृतसंकल्पबद्ध हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल को उत्तराखण्ड व पश्चिम उत्तर प्रदेश के मरीजों की लाइफ लाइन के रूप में जाना जाता है। वह अस्पताल के सभी डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ व सहायक स्टाफ को साथ लेकर मरीजों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे।

बहती हवा सा था वो...अजय सिंह एसएसपी

■ हरिद्वार पुलिस ने नम आंखों से किया 'राजा' को विदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

20.5 वर्ष विभाग की शानदार सेवा देने वाले राजा की राजकीय सम्मान के साथ विदाई में सम्मिलित हुए जिले के पुलिस मुखियाश्राजाश हमारी घोड़ा पुलिस लाइन का महत्वपूर्ण घोड़ा था। जिसके जाने का हम सभी को दुःख है अजय सिंह, एसएसपीश्वर्ष 2003 में पीटीसी मुरादाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर पुलिस विभाग का अंग बने श्राजाश का 20.5 वर्ष की सेवा उपरांत लंबी बीमारी के बाद 24 वर्ष की आयु में देहांत हो गया।

हरिद्वार के पिछले दो महाकुंभ, दो अर्ध कुंभ एवं इस दौरान के सभी महत्वपूर्ण स्नानों में राजा द्वारा बेहतरीन सेवा दी गई। इसके अतिरिक्त जनपद देहरादून में भी अपनी सेवा दे चुके श्राजाश विगत कुछ समय से अस्वस्थ चल रहा था। अश्व की मृत्यु की जानकारी मिलते ही एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह घुड़सवार लाइन बैरागी कैंप पहुंचे एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ राजा की अंतिम विदाई समारोह में सम्मिलित हुए।

गजब है दूल्हे की नाक छोटी होने पर दुल्हन ने तोड़ी शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड से शादी टूटने का अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। जिसकी गांव समेत पूरे जिले और प्रदेश में चर्चाएं हो रही हैं। बता दें कि दूल्हे की नाक छोटी होने पर दुल्हन ने निकाह करने से मना कर दिया। परिजनों के लाख समझाने पर भी दुल्हन अपनी जिद पर अड़ी रही। जिसके बाद दूल्हा बिना निकाह किए ही वापस लौट गया।थाना ऐचोडा कम्बोह के एक गांव निवासी जीशान पुत्र कलुआ का रिश्ता थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी जरीफ की बेटी के साथ हुआ था । तारीख पक्की होने पर दूल्हा और दुल्हन पक्ष जोर-शोर से शादी की तैयारियां कर रहे थे। दूल्हा बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचा। बारात चढ़ते हुए दुल्हन के दरवाजे पर पहुंची। वहां खड़ी महिलाएं दूल्हे को देखकर कानाफूसी करने लगीं। जिसके बाद दूल्हे को लेकर हंगामा हो गया। महिलाओं ने शोर मचाते हुए कहा कि दूल्हे की नाक छोटी है। उन्होंने इसकी सूचना दुल्हन को दी। दूल्हे की नाक छोटी होने पर दुल्हन ने शादी करने से इंकार कर दिया.

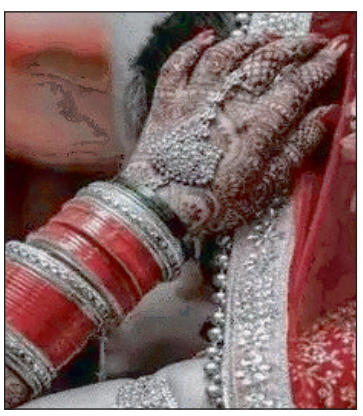

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

आजीविका सर्वद्धन के लिए परिस्थिति आधारित नीति बनाई जाए : दीपक कुमार गैरोला, सचिव

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 8 दिसम्बर । सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन उत्तराखंड शासन दीपक कुमार गैरोला ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रदेश की आजीविका सर्वद्वन के लिए जनपद की परिस्थितियों के आधार पर नीति बनाई जाए और सभी विभागों को इसमें सम्मलित करते हुए बेहतर ढंग से योजनाओं को क्रियान्वित किया जाए।सचिव दीपक कुमार गैरोला ने कहा कि प्रदेश की जीडीपी में सुधार करना एवं प्रदेश की आय दोगुनी करना मा.मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाना, उद्यानीकरण के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाना, ऊर्जा हाइड्रो पावर/सोलर पावर को विकसित करना, जड़ी बूटी उत्पादन बढाना की दिशा में ठोस कार्ययोजना के साथ काम करने की आवश्यकता है।

सचिव दीपक कुमार गैरोला ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को अनुशासित ढंग से गति प्रदान करें। ताकि गांव, जनपद एवं प्रदेश का तेजी से विकास हो सके। कहा कि योजनाओं में खर्च करना महत्वपूर्ण नही है, बल्कि योजनाओं का गुणवत्ता के साथ क्रियान्वित करना जरूरी है। पिछले वर्षो में जो कार्य हुए है, उन योजनाओं से कितना लाभ हुआ, इसका आंकलन करें।सचिव दीपक कुमार गैरोला ने कहा कि प्रदेश की आय बढाने के लिए पर्यटन को विकसित किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने निर्देश दिए कि शीतकालीन पर्यटन को बढाने की दिशा में कार्ययोजना तैयार करें। पर्यटन सभावित स्थलों को योजनाओं से जोड़कर विकसित करें। वन क्षेत्रों में ईको टूरिज्म को बढावा दिया जाए। जनपद में टूरिज्म सर्किट तैयार करें। हाइड्रो पॉवर के तहत छोटे-छोटे चैकडैम के प्रस्ताव उपलब्ध करें। उद्योग क्षेत्र को बढाया जाए। पर्यटन गतिविधियों को बढाने के लिए पर्यटन के साथ वन, राजस्व एवं अन्य विभाग आपसी समन्वय बनाकर एक साथ कार्य करें।दीपक कुमार गैरोला ने बागवानी के क्षेत्र में किसानों की आर्थिकी को मजबूत करने पर जोर देते हुए सचिव ने जनपद में जड़ी-बूटी के क्लस्टर विकसित करने की बात कही। जंगली जानवर किसान की फसलों को नुकसान ना पहुँचाए इसके लिए वन विभाग को जंगलों में अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए। जनपद के हिमालय क्षेत्रों में बर्फ के पानी को संरक्षित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। ताकि पानी की समस्या को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत सभी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में फोर जी इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिन क्षेत्रों में टावर लगाए जाने है उनके भूमि का प्रस्ताव तैयार करें। सभी विभाग सरकार की प्राथमिकता के अनुसार कार्य करें। बहुउद्देश्यीय शिविरों एवं तहसील दिवसों के माध्यम से जनता को योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि आम लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। समस्याओं का सरलीकरण, समाधान एवं समयबद्वता से निस्तारण किया जाए। उन्होंने भयमुक्त समाज की दिशा में भी मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए।

कहा कि आज साइबर अपराध बडी समस्या बन रही है। इसको रोकने के लिए प्राथमिकता पर कार्य किया जाना चाहिए। सीमांत एव छोटे किसानों को डीबीटी से मुक्त रखने के मामले में सचिव दीपक कुमार गैरोला ने कहा कि इस समस्या से शासन को अवगत कराया जाएगा।बैठक में जिलाधिकारी,चमोली हिमांशु खुराना एवं मुख्य विकास अधिकारी डा.ललित नारायण मिश्र ने जनपद में संचालित योजनाओं से अवगत कराया। बैठक में कृषि, उद्यान, उद्योग, पशुपालन, डेयरी, पर्यटन, विद्युत, उरेडा, सिंचाई सहित संबधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून : आज भी शहर में कई जगह रहेगा ट्रैफिक डायवर्ट, ये रहेगा रूट प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की पासिंग आउट परेड और इसी बीच राष्ट्रपति के दौरे के चलते आज भी शहर के विभिन्न रूट डायवर्ट रहेंगे। पासिंग आउट परेड की वजह से सुबह आठ बजे से दोपहर तक आई एम ए की ओर से वाहन नहीं जा सकेंगे। जबकि, राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर मुख्य डायवर्जन प्लान नौ दिसंबर यानी शुक्रवार को लागू रहेगा। इससे पहले पुलिस ने लोगों से कारण शहर में न निकलने की अपील की है। ताकि, यातायात व्यवस्था में परेशानी न हो।

रूट प्लान

- बल्लूपुर से आने वाला यातायात आईएमए के पास रांगड़वाला चौकी से डायवर्ट कर मिठीबेरी होकर प्रेमनगर की ओर मुख्य मार्ग पर जा सकेगा।- प्रेम नगर की ओर से आने वाले यातायात को प्रेम नगर चौक से दारू चौक और मेहूवाला/रांगड़वाला की ओर भेजा जाएगा। - विकासनगर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को हरबर्टपुर चौक से धर्मावाला चौक की ओर डायवर्ट किया जाएगा। यह यातायात धर्मावाला चौक से शिमला बाईपास होते हुए शहर की ओर आ सकेगा।- देहरादून से विकासनगर हरबर्टपुर होते हुए दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों को शिमला बाईपास से डायवर्ट कर विकास नगर धर्मावाला की तरफ भेजा जाएगा। - देहरादून की ओर से विकासनगर जाने छोटे वाहनों को पंडितवाड़ी, रांगड़वाला से मिठीबेरी होते हुए वाया प्रेमनगर भेजा जाएगा। - सभी भारी वाहनों को हरबर्टपुर, शिमला बाईपास चौक और बल्लूपुर चौक से जीएमएस रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

डायवर्जन प्लान

- मुख्य मार्गों मसलन मसूरी, न्यू कैंट रोड, राजपुर रोड, ईसी रोड, हरिद्वार रोड, हरिद्वार बाईपास रोड, दून यूनिवर्सिटी रोड पर डायवर्जन/जीरो जोन के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। ये बैरिकेड सुरक्षा की दृष्टि से शुक्रवार दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक डायवर्जन/जीरो जोन रहेंगे। ऐसे में लोग अपने घरों से अनावश्यक न निकलें। नहीं तो इन मार्गों पर उन्हें रोका जा सकता है। - भारी वाहनों को कारगी चौक से दूधली मार्ग होते हुए डोईवाला की ओर डायवर्ट किया जाएगा और हर्रावाला में रोका जाएगा। - एयरपोर्ट जाने वाले वाहनों को आईएसबीटी से दूधली रोड होते हुए डोईवाला की ओर भेजा जाएगा। जबकि, राजपुर रोड, सहस्त्रधारा रोड, चकराता रोड से आने वाले वाहन रायपुर-थानों मार्ग का प्रयोग कर सकेंगे।अपील : पुलिस की ओर से स्कूलों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील की गई है। इसके लिए पत्र भेजकर स्कूलों को दोपहर 12 बजे से पहले छुट्टी करने को कहा गया है। ताकि, स्कूल से आने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस ने सभी सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक दफ्तरों में ही रहें। पुलिस ने यह अपील उन दफ्तरों से की है जो डायवर्जन वाले रूट पर हैं ताकि अनावश्यक परेशानियां न झेलना पड़े.

गुजरात में कम मतदान के बावजूद बढ़े भाजपा के वोट, हिमाचल में सत्ता खोकर भी पार्टी ने बचाया जनाधार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले डेढ़ दो दशक से इसकी बहुत चर्चा होती रही है। गुरुवार को आए चुनाव नतीजे ने एक बार फिर से यह स्थापित कर दिया कि गुजरात माडल या यूं कहें कि मोदी माडल एक ऐसा शासन प्रशासन है जिसमें कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच का दायरा और जनता से संवाद व संपर्क विश्वसनीय ढंग से बढ़ता है। इस मोदी माडल में शिथिलता या विश्राम के लिए जगह नहीं। इस माडल में असंभव शब्द के लिए स्थान नहीं। बल्कि और भी ज्यादा लोगों का विश्वास जीतने के लिए पहले से ज्यादा परिश्रम और हर लक्ष्य को साधने की रणनीति शामिल होती है। यही कारण है कि इस माडल में एंटी इनकंबेंसी नहीं प्रो इनकंबैंसी चुनावी फैक्टर बनता है। लोकसभा चुनाव में इसकी झलक दिखा चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता तथा उनके सिपहसालार अमित शाह की रणनीति और परिश्रम ने वह कर दिखाया जो असंभव था।

गुजरात में भाजपा ने अब तक के जीते के सारे रिकार्ड तोड़ दिए और लगातार सातवीं जीत का कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। गुजरात का संदेश पार्टी नेताओं के लिए भी है और कांग्रेस जैसे मुख्य विपक्षी दल के लिए भी। गुजरात के साथ ही हिमाचल प्रदेश के भी नतीजे आए जहां भाजपा के हाथ से सत्ता छिन गई। एक दिन पहले ही दिल्ली नगर निगम के भी नतीजे आए थे जहां आम आदमी पार्टी ने भाजपा के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया। लेकिन इन दो स्थानों पर भी भाजपा ने अपना आधार कमजोर नहीं होने दिया। बल्कि वोट फीसद बढ़े। फिर भी भाजपा के अंदर यह सवाल

तेजी से उठ खड़ा हुआ है कि स्थानीय नेतृत्व अपने अपने राज्यों में मोदी का गुजरात माडल क्यों नहीं तैयार कर पा रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से पार्टी को आगाह कर चुके हैं कि सिर्फ उनके भरोसे न बैठें। जनता से खुद का तार जोड़ें। कार्यकर्ताओं और जनता का विश्वास जीतें और उसे पूरा करें। हिमाचल में पार्टी वह नहीं कर पाई। बगावत और भितरघात ने रही सही कसर पूरी कर दी। दिल्ली में पार्टी के अंदर अब तक ऐसा कोई चेहरा ही नहीं पनप पाया है जिससे पूरी दिल्ली खुद को जोड़े।

माना जाता है कि और अब भरोसा किया जाने लगा है कि नरेन्द्र मोदी पांच सात साल आगे की सोचते हैं और अमित शाह उसे बखूबी जमीन पर उतारते हैं। गुजरात में जो कुछ हुआ उसकी राह तैयार की गई थी। एक कुशल रणनीतिकार की तरह एंटी इनकंबैंसी का आधार उसी वक्त दुरुस्त कर दिया गया था जब मुख्यमंत्री और उसके साथ पूरी कैबिनेट बदल दी गई थी। चुनाव आते आते उन चेहरों से भी पीछा छुड़ा लिया गया जिसे देखते देखते जनता उब चुकी थी। बगावत हुई लेकिन सशक्त नेतृत्व की तरह उसका प्रभाव थाम लिया गया। सच्चाई यह है कि केंद्रीय नेतृत्व ने इस मामले में जनता की सुनी। उन्हें यह भरोसा दिला दिया कि अगर जनता किसी खास व्यक्ति से नाराज है तो पार्टी उसे अहमियत नहीं देगी।